



JATIN



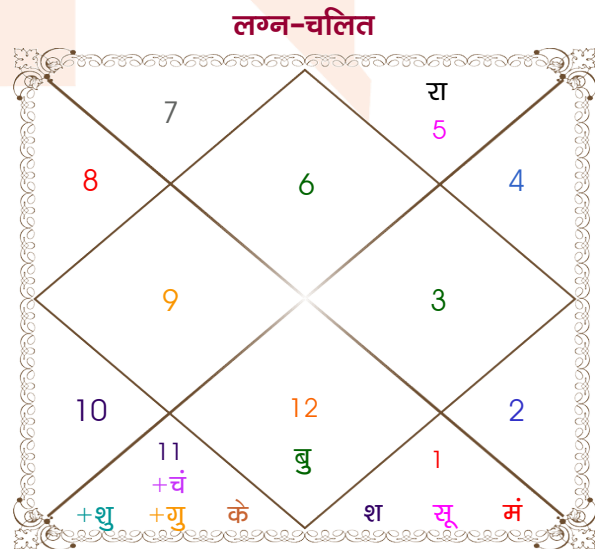
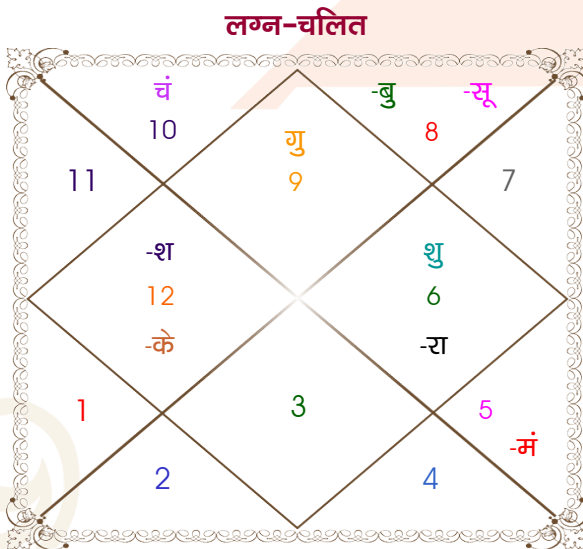
ANKITA

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120376005

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 17/11/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 23/04/1998
 रविवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 10:50:00 : _____ जन्म समय _____ : 15:14:00 घंटे
 घंटे 10:09:18 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 23:24:44 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Alwar : _____ स्थान _____ : Howrah
 27:32:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 22:35:00 उत्तर
 76:35:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 88:20:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:23:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : 00:23:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:46:16 : _____ सूर्योदय _____ : 05:10:39
 17:31:02 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:59:52
 23:48:49 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:49:53

विंशोत्तरी चन्द्र 2वर्ष 1मा 22दि गुरु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 9वर्ष 0मा 8दि शनि	
09/01/2024		25:32:24	धनु	लग्न	कन्या	02:04:39	02/05/2007	
09/01/2040		01:19:47	वृश्चि	सूर्य	मेष	09:12:34	02/05/2026	
गुरु	26/02/2026	20:28:29	मक	चंद्र	कुंभ	25:48:51	शनि	05/05/2010
शनि	09/09/2028	15:48:14	सिंह	मंगल	मेष	13:51:56	बुध	12/01/2013
बुध	16/12/2030	10:06:12	वृश्चि	बुध	मीन	16:21:33	केतु	21/02/2014
केतु	22/11/2031	21:48:23	धनु	गुरु	कुंभ	24:11:49	शुक्र	22/04/2017
शुक्र	23/07/2034	28:59:36	कन्या	शुक्र	कुंभ	24:35:23	सूर्य	04/04/2018
सूर्य	11/05/2035	07:01:52	मीन व	शनि	मेष	00:46:07	चन्द्र	04/11/2019
चन्द्र	09/09/2036	13:01:38	कन्या व	राहु व	सिंह	15:23:39	मंगल	12/12/2020
मंगल	16/08/2037	13:01:38	मीन व	केतु व	कुंभ	15:23:39	राहु	19/10/2023
राहु	09/01/2040	07:26:28	मक	हर्ष	मक	18:40:16	गुरु	02/05/2026
		01:38:19	मक	नेप	मक	08:17:53		
		08:52:26	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:44:30		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

JATIN का वर्ग मार्जार है तथा ANKITA का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार JATIN और ANKITA का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

JATIN मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ANKITA मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ANKITA कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

JATIN तथा ANKITA में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।